CUET UG 2022 HINDI

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

चलते या दौड़ते हुए अचानक जूते के फीते खुल क्यों जाते हैं? क्या आपको इस बेहद मामूली से लगने वाले सवाल का सही जवाब पता है? बेहद आसानी से बाँधे जाने वाले फीतों के पीछे विज्ञान के कुछ जटिल समीकरण छुपे हैं। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के 17 पेज की शोध रिपोर्ट में इनका विस्तार से जिक्र है। क्रिस्टॉफर डेली-डायमंड, क्रिस्टीन ग्रेग और ऑलिवर ओरैली ने इन्ही समीकरणों का हवाला देते हुए फीतों के बार-बार खुलने की प्रक्रिया समझाई है। असल में जूते का फीता सेकेंडों के भीतर खुल जाता है।

किस्टीन ग्रेग कहती हैं, "आपके फीते बहुत लंबे समय तक बिल्कुल ठीक बंधे रहेंगे, लेकिन जैसे ही उन्हें ढीला करने वाली एक शारीरिक हरकत होगी, वे हिमस्खलन जैसा असर करेगी और गाँठ खुल जाएगी।''

असल में दौड़ते समय हमारा जमीन पर सात गुना ज़्यादा गुरुत्व बल के साथ संपर्क में आता है। क्रिया-प्रतिक्रिया के नियम के मुताबिक जमीन से भी उतना ही तेज़ बल वापस लौटता है। पैर की मांसपेशियाँ इसे बर्दाश्त कर लेती हैं, लेकिन फ़ीते की गाँठ ऐसे झटकों से ढीली पड़ने लगती है। जमीन पर पैर पड़ते ही गाँठ पर ज़ोर पड़ता है और फिर पैर के हवा में लौटने पर गाँठ फिर से ढीली हो जाती है। बार-बार ऐसा होते रहने पर फीता आखिरकार खुल जाता है।

ऐसे में फीतों में न खुलने वाली गाँठ कैसे बाँधी जाएँ? शोधकर्ताओं के मुताबिक वे इस पर शोध नहीं कर रहे हैं। वे तो बस इतना समझना चाहते थे कि डी.एन.ए की संरचना की तरह बाँधे जाने वाले फीते भी गतिज ऊर्जा के सामने हार जाते हैं। वैज्ञानिक गाँठ और डीएनए जैसी अतिसूक्ष्म संरचना के व्यवहार के राज़ सुलझाना चाहते हैं।

वैसे मज़बूत फीते बाँधना सैन्य बूटों में ज़्यादा आसान होता है। बूट में फीते को छोट-छोटे हुक भी सहारा देते हैं। असल में ये हुक झटकों के दौरान रिलीज होने वाली गतिज और क्षितिज ऊर्जा को सीखते हैं और फीतों को मज़बूती से बंधा रहने देते हैं।

1. किन लोगों ने फीतों के खुलने की प्रक्रिया समझाई है?

(1) कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी ने
(2) क्रिसटॉफर डेली-डायमंड, क्रिस्टीन ग्रेग और ऑलिवर ओरैली ने
(3) वैज्ञानिकों ने
(4) साहित्थिक शोध कर्ताओं ने

(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

2. जूते का फीता किस नियम की वजह से अपने आप खुल जाता है?

(1) क्रिया-प्रतिक्रिया का नियम
(2) अतिसूक्ष्म संरचना का नियम
(3) गुरुत्वाकर्षण का नियम
(4) जटिल समीकरण का नियम

(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

3. कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी ने 17 पेज की शोध रिपोर्ट में किसका विस्तार से ज़िक्र किया है?

(1) हमारे पैर का (2) वैज्ञानिकों का
(3) जूते के फीते का (4) पैर की मांसपेशियों का

(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

4. वैज्ञानिक क्या राज सुलझाना चाहते हैं?

(1) गाँठ की मज़बूती के
(2) मांसपेशियों की क्षमता के
(3) गाँठ और डी.एन.ए जैसी अतिसूक्ष्म संरचना के व्यवहार के
(4) जूतों की बनावट के

(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

5. जमीन पर पैर पड़ने तथा हवा में पैर लौटने पर गाँठ में कौन-सी क्रिया-प्रतिक्रिया होती है?

(1) जमीन पर पैर पड़ते ही गाँठ और कस जाती है और फिर पैर के हवा में लौटने पर गाँठ ढीली हो जाती है।
(2) जमीन पर पैर पड़ते ही गाँठ पर ज़ोर पड़ता है और फिर पैर के हवा में लौटने पर गाँठ ढीली हो जाती है।
(3) जमीन पर पैर पड़ते ही गाँठ पर ज़ोर पड़ता है और फिर पैर के हवा में लौटने पर गाँठ कस जाती है।
(4) जमीन पर पैर पड़ते ही गाँठ और ढीली जाती है और पैर के हवा में जाने पर गाँठ मज़बूत हो जाती है।

(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

6. वैज्ञानिक अतिसूक्ष्म संरचना के व्यवहार के राज़ क्यों सुलझाना चाहते हैं?

(1) ताकि वे समझ पाएँ कि डी.एन.ए की संरचना कैसी है।
(2) ताकि वे जूतों के फीतों के जल्दी से खुलने के राज़ को समझ पाएँ।
(3) ताकि वे फीतों की मज़बूती और डी.एन.ए की संरचना समझ पाएँ।
(4) ताकि वे समझ पाँए कि डी.एन.ए की संरचना की तरह बाँधे जाने वाले फीते भी गतिज ऊर्जा के सामने हार जाते हैं।

DISHA™ Publication Inc

(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मुझे भरपूर सुंदरता और सुगंध मिली, मेरी उपस्थिति के बिना ईश-अराधना तक अधूरी रह जाती है। तो फिर मेरे साथ कांटे क्यों जड़ दिए गए? गुलाब यह सोच कर मलिन होने लगा। उसने निश्चय किया कि रोज भगवान के शीश पर शोभा पाता हूँ, 'हे सृजनहार! आपने मुझे सब कुछ दिया, लेकिन इतना देने के बाद आपने क्या सोच कर मुझे कांटों का साथ दिया? क्या यह मेरे साथ अन्याय नहीं है?' भगवान ने कहा, 'वत्स, तुम्हारा दुख व्यर्थ है। ये कांटे तुम्हारे साथ अन्याय नहीं, तुम्हारे लिए वरदान हैं। ये कांटे वास्तव में रंग, रूप अवर सुंगध की रक्षा के सजग प्रहरी हैं, ताकि तुम अपने पूरे रूप में खिल सको। इन्हीं कांटों की वजह से तुम सुरक्षित रह पाते हो।' इस सृष्टि में हम जिस विपत्ति को कांटों की चुभन की तरह कष्टकारक समझते है, उसका भी हमसे गुलाब के कांटों जैसा ही अनोखा रिश्ता है। गुलाब का कांटों के बीच खिलना हमारे जीवन के लिए प्रकृति का संदेश है कि जीवन फूलों की सेज नहीं है। जैसे गुलाब में केवल कोमलता ही नहीं होती, उसी तरह जीवन भी सुख-दुख का संगम है। जिसने यह रहस्य समझ लिया, वह हर अभिशाप को भी वरदान बना लेता है। गुलाब को प्रेम-प्रतीक मानने वाले प्रेमियों को यह संकेत है कि प्रेम में भी बहुत दर्द होते हैं, चुभन होती हैं, दर्द और चुभन के कांटों की परवाह करोगे तो प्रेम के सुंदर गुलाब की सुंगध से वंचित रह जाओगे।

चाणक्य नीति कहती है कि ज्ञानों को कांटा चुभे तो उसे कष्ट और दर्द तो होता है, मगर वह दुखी नहीं होता। हम भी जब किसी तकलीफ में हों तो विचारें कि सिर्फ कष्ट में हैं या वाकई दुखी हैं? कष्ट मतलब अभाव और दुख मतलब भाव। जीवन वृक्ष भी सुख के फूल और दुख के काँटे दोनों से पल्लवित होता है। हमें प्रारंभ से ही सुख और दुख दोनों के तैयार रहना होगा। बचपन केवल कठोरता पाए तो निश्चित ही दुखी होगा, लेकिन प्रेम ही मिलता रहे तो उसमें कोई 'रीढ़' विकसित नहीं हो पाएगा। ऐसे में जब भी जीवन की वास्तविकता सामने होगी, वह ध राशायी हो जाएगा। अभिभावक उसे प्रेम देते रहें, जिससे वह जान सके कि प्रेम संभव है पर कठोर सके कि जीवन में कडा संघर्ष है।

7. भगवान के दरबार में गुलाब दुखीस्वर में क्या बोला?
(1) गुलाब ने प्रतिदिन ईश्वर के चरणों में स्थान न पाने की शिकायत की।
(2) गुलाब ने ईश आराधना के अधूरे रह जाने की शिकायत की।
(3) गुलाब ने इन्द्रधनुष के समान अनेक रंग न मिलने की शिकायत की।
(4) गुलाब ने रंग एवं सौन्दर्य के साथ में काँटे देने की शिकायत की।
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

8. प्रक्रति गुलाब के माध्यम से क्या संदेश दे रही है?
(1) गुलाब के समान सौन्दर्य एवं सुगन्ध की प्रतिमूर्ति बनें।
(2) गुलाब प्रेमियों के लिए प्रेम का संदेश है।
(3) गुलाब सुगन्ध, रंग की रक्षा के सजग प्रहरी है।
(4) गुलाब का काँटों के बीच खिलना, जीवन के फूलों की सेज न होने का संदेश है।
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

9. जीवन वृक्ष किस प्रकार पल्लवित होता है?
(1) जीवन वृक्ष केवल सुख के फूलों से पल्लवित होता है।
(2) जीवन वृक्ष अभावों एवं दु:ख में पल्लवित होता है।
(3) जीवन वृक्ष सुख के फूलों एवं दु:ख के काँटों दोनों से पल्लवित होता है।
(4) जीवन वृक्ष विपत्तियों में पल्लवित होता है।
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

10. चाणक्य नीति के अनुसार कष्ट और दु:ख का क्या अर्थ है?
(1) कष्ट का अर्थ अप्राप्ति एवं दु:ख का अर्थ निराश।
(2) कष्ट निराशा है एवं दु:ख असहायता है।
(3) कष्ट का अर्थ अभाव है और दु:ख का अर्थ भाव है।
(4) कष्ट दर्द है और दु:ख चुभन है।
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

11. प्रेम के गुलाब की सुगंध से वंचित रह जाने का खतरा किन लोगों को है?
(1) जो दर्द और चुभन के काँटो की परवाह करते हैं।
(2) जो दर्द और चुभन के काँटों की परवाह नहीं करते हैं।
(3) जो काँटों के रंग, रूप के सजग प्रहरी हैं।
(4) जो काँटों के रंग रूप की परवाह नहीं करते।
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

12. अभिभावकों को किस प्रकार बच्चे को पालना चाहिए?
(1) बच्चों को प्रेमपूर्वक मार्गदर्शन ही देना चाहिए।
(2) बच्चों को केवल कठोरता पूर्वक पालना चाहिए।
(3) बच्चों को फैलाद की तरह कठोर होकर पालना चाहिए।
(4) बच्चों को प्रेम के साथ ही जीवन के कठोर संघर्षों के विषय में भी बताना चाहिए।
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भारतीय धर्मनीति के प्रणेता नैतिक मूल्यों के प्रति अधिक जागरूक थे। उनकी यह धारणा थी कि नैतिक मूल्यों का दृढ़ता से पालन किए बिना किसी भी समाज की आर्थिक व सामाजिक प्रगति की नीतियाँ प्रभावी नहीं हो सकती। उन्होंने उच्चकोटि को जीवन-प्रणाली के निर्माण के लिए वेद की एक ऋचा के आधार पर कहा कि उत्कृष्ट जीवन-प्रणाली मनुष्य की विवेक-बुद्ध से तभी निर्मित होनी संभव है, जब सब लोगों के संकल्प, निश्चय, अभिप्राय समान हों, सबके हृदय में समानता की भव्य भावना जाग्रत हो और सब लोग पारस्परिक सहयोग से मनोनुकूल कार्य करें। चरित्र-निर्माण की जो दिशा नीतिकारों ने निर्धारित की, वह आज

DISHA Publication Inc.

भी अपने मूल रूप में मानव के लिए कल्याणकारी है। प्राय: यह देखा जाता है कि चरित्र और नैतिक मूल्यों की उपेक्षा वाणी, बाहु और उदर को संबत न रखने के कारण होती है। जो व्यक्ति इन तीनों पर नियंत्रण रखने में सफल हो जाता है, उसका चरित्र ऊँचा होता है।

सभ्यता का विकास आदर्श चरित्र से ही संभव है। जिस समाज में चरित्रवान व्यक्तियों का बाहुल्य है, वह समाज सभ्य होता है और वही उन्नत कहा जाता है। चरित्र मानव-समुदाय की अमूल्य निधि है। इसके अभाव में व्यक्ति पशुवत व्यवहार करने लगता है। आहार, निद्रा, भय आदि की वृत्ति सभी जीवों में विद्यमान रहती है। यह आचार अर्थात चरित्र को ही विशेषता है, जो मनुष्य को पशु से अलग कर, उससे ऊँचा उठा मनुष्यत्व प्रदान करती है। सामाजिक अनुशासन बनाए रखने के लिए भी चरित्र-निर्माण की आवश्यकता है। सामाजिक अनुशासन की भावना व्यक्ति में तभी जाग्रत होती है, जब वह मानव प्राणियों में ही नहीं वरन सभी जीवधारियों में अपनी आत्मा के दर्शन करता है।

13. 'चरित्र मानव समुदाय की अमूल्य निधि है' का आशय है:
(1) पशु और मनुष्य दोनों का अपना चरित्र होता है।
(2) हमें चरित्र का पालन करना चाहिए।
(3) चरित्र ही मनुष्य व पशु में अंतर करता है।
(4) चरित्र के बिना मनुष्य पशु के समान है।
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

14. सभ्य और उन्नत समाज उसे कहा जाता है जहाँ .....।
(1) सभ्य लोग रहते हों
(2) पढ़े-लिखे ज्यादा हों
(3) अधिक अमीर लोग रहते हों
(4) चरित्रवान लोगों का बाहुल्य हो
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

15. आहार, निद्रा, भय आदि की वृत्ति:
(1) केवल पशुओं में मिलती है
(2) सभी जीवों में मिलती है
(3) मनुष्यों में ही मिलती है
(4) केवल पक्षियों में मिलती है
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

16. सामाजिक अनुशासन की भावना मनुष्य में तब जाग्रत होती है जब वह .....।
(1) आत्मदर्शन कर लेता है।
(2) आध्यात्मिक दर्शन कर लेता है।
(3) बहुत पढ़-लिख लेता है।
(4) शक्तिशाली हो जाता है।
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

17. भारतीय धर्मनीति के प्रणेता किस प्रकार के मूल्यों की बात करते हैं?
(1) आर्थिक मूल्यों (2) नैतिक मूल्यों
(3) सांस्कृतिक मूल्यों (4) धार्मिक मूल्यों
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

18. जब सब लोगों के संकल्प, निश्चय, अभिप्राय समान हों तो:
(1) सबके हृदय में प्यार उमड़ जाता है।
(2) सभी लोग मिल-जुल कर रहने लगते हैं।
(3) सभी एक दूसरे से प्रेम करते हैं।
(4) सबके हृदय में समानता की भव्य भावना जाग्रत होती है।
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

19. 'गिरगिट की तरह रंग बदलना' - मुहावरे का उपयुक्त अर्थ है:
(1) लाल - पीला हो जाना (2) अलग - अलग रंगों का प्रयोग
(3) अवसरवादी होना (4) वस्त्र बदलना
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

20. अंधे की लाठी - अर्थ के लिए उपयुक्त मुहावरा है:
(1) बाँस की लाठी (2) बड़ी लाठी
(3) एक मात्र सहारा (4) रंगीन लाठी
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (c) 4

21. **सूची-I** का मिलान **II** से करें (सरल वाक्य को उपयुक्त मुहावरे से मिले।)

सूची-I	**सूची-II**
A. कार्यालयों में कार्य बड़ी धीमी गति से होता है	I. फूट-फूट कर रोना
B. यह तो अति सरल कार्य है।	II. मिट्टी में मिलना
C. पुत्र के शोक में माँ जोर-जोर से रोई।	III. बाएँ हाथ का खेल
D. मूर्ख पुत्र ने पिता का सारा मान नष्ट कर दिया।	IV. चींटी की चाल

नीचे दिए गये विकल्पों में सही उत्तर को उल्लेख करे:
(1) A - III, B - II, C - I, D - IV
(2) A - IV, B - III, C - I, D - II
(3) A - IV, B - I, C - II, D - III
(4) A - IV, B - III, C - II, D - I
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

22. **सूची-I** को **II** से मिलान।

सूची-I	**सूची-II**
A. कल रात थाने में चोरी हो गई है, सच है ..... है।	I. तिल का ताड़ बना देना

DISHA Publication Inc.

B. आज की दुनिया में किस पर विश्वास करें, छोटे बड़े सब ..... हैं। II. दाँतों तले उँगली दबाना

C. राणा प्रताप की वीरता देख अकबर भी ..... था। III. एक ही थैली के चट्टे-बट्टे

D. अरे! तुमने तो ज़रा सी बात को लेकर ..... दिया IV. चिराग तले अँधेरा

नीचे दिए गये विकल्पों में **सही** उत्तर को उल्लेख करे:
(1) A - IV, B - III, C - II, D - I
(2) A - II, B - IV, C - I, D - III
(3) A - III, B - II, C - I, D - IV
(4) A - I, B - II, C - IV, D - III
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (c) 4

23. 'स्थूल' शब्द का उचित विलोम शब्द है:
(1) भारी (2) असली
(3) सूक्ष्म (4) सहज
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

24. रिक्त स्थान की पूर्ति रेखांकित शब्द के उचित विलोम शब्द से कीजिए।
वसंत ऋतु में <u>जड़</u> और ..... सभी प्रसन्न हो जाते हैं।
(1) जड़ता (2) निजता
(3) निर्जन (4) चेतन
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

25. 'परोक्ष' - शब्द के विलोम शब्द हैं:
A. साक्षात B. विदित
C. प्रत्यक्ष D. आँखोंदेखी
E. सूक्ष्म
नीचे दिए गये विकल्पों में से **सही** उत्तर का चयन कीजिए:
(1) A, C, D (2) B, C, E
(3) D, B, C (4) E, B, A
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

26. **सूची-I** का मिलान **सूची-II** से कीजिए:

सूची-I	**सूची-II**
A. रक्षक	I. मृंदुल
B. बेचैन	II. सीमित
C. कठोर	III. भक्षक
D. विस्तृत	IV. शांत

नीचे दिए गये विकल्पों में **सही** उत्तर को उल्लेख करे:
(1) A - II, B - I, C - IV, D - III
(2) A - III, B - IV, C - I, D - II
(3) A - I, B - II, C - III, D - IV
(4) A - IV, B - III, C - II, D - I
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

27. निम्नलिखित पदों को उचित क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:
बाल मज़दूरी ..... ।
A. इन बच्चों B. के कारण
C. का बचपन D. जाता है
E. छिन
नीचे दिए गये विकल्पों में से **सही** उत्तर का चयन कीजिए:
(1) A, C, E, B, D (2) C, A, B, E, D
(3) A, B, D, E, C (4) B, A, C, E, D
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

28. निम्नलिखित पदों को उचित क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:
नाटक एक ऐसो .....
A. रहता है B. रचना है,
C. और कल्पना D. दोनों का संयोग
E. जिसमें अनुकरण
नीचे दिए गये विकल्पों में से **सही** उत्तर का चयन कीजिए:
(1) A, B, C, E, D (2) B, C, D, E, A
(3) B, E, C, D, A (4) E, A, B, C, D
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

29. निम्नलिखित पदों को उचित क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:
A. दृष्टि ने उसकी B. व्यायाम तथा राजा
C. साहब की स्नेह D. चाँद लगा दिए
E. प्रसिद्धि में चार
नीचे दिए गये विकल्पों में से **सही** उत्तर का चयन कीजिए:
(1) C, A, B, D, E (2) B, C, A, E, D
(3) A, B, D, E, C (4) B, D, E, A, C
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

30. निम्नलिखित पदों को उचित क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:
नियंत्रण की आड़ में .....
A. रिश्तों में खटास B. शान-शौकत का लिफ़ाफ़ा
C. अपनी अमीरी या D. घोल रहा है
E. बढ़े वज़न के साथ
नीचे दिए गये विकल्पों में से **सही** उत्तर का चयन कीजिए:
(1) B, E, C, A, D (2) A, C, B, E, D
(3) C, B, E, A, D (4) D, B, C, A, E
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

31. रिक्त स्थान की पूर्ति कोष्ठक में दिए शब्द के सही पर्यायवाची शब्द से कीजिए।

DISHA Publication Inc TM

भारतीय परंपरा के अनुसार ..... देवो भव' है।
(पाहुन)
(1) सारंग (2) सम्राट
(3) अतिथि (4) जननी
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

32. **सूची-I** का मिलान **सूची-II** से कीजिए:

सूची-I	**सूची-II**
A. वसन	I. रिपु
B. तरंग	II. कुलीन
C. वैरी	III. पट
D. संभ्रांत	IV. ऊर्मि

नीचे दिए गये विकल्पों में **सही** उत्तर को उल्लेख करे:
(1) A - III, B - IV, C - I, D - II
(2) A - I, B - II, C - III, D - IV
(3) A - II, B - III, C - IV, D - I
(4) A - IV, B - I, C - II, D - III
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

33. 'कौशल' - शब्द के पर्यायवाची शब्द हैं:
A. निपुणता B. दक्षता
C. समानता D. पटुता
E. वनिता
नीचे दिए गये विकल्पों में से **सही** उत्तर का चयन कीजिए:
(1) B, C, E (2) D, C, E
(3) C, A, B (4) A, B, D
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

34. 'वृत्ति' - शब्द के सही पर्यायवाची शब्द हैं:
A. समर B. स्वभाव
C. ढंग D. तरीका
E. समूह
नीचे दिए गये विकल्पों में से **सही** उत्तर का चयन कीजिए:
(1) A, B, C (2) B, C, D
(3) B, D, E (4) C, B, A
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

35. 'मुदित महीपति मंदिर आए' पंक्ति में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?
(1) रुपक (2) अनुप्रास
(3) उपमा (4) उत्प्रेक्षा
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

36. "काली घटा का घमंड घटा''
पंक्ति में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?
(1) उपमा (2) रुपक
(3) उत्प्रेक्षा (4) यमक
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

37. रूपक अलंकार का कौन-सा विकल्प सही है?
(1) पीपर पात सरिस मन डोला
(2) जे तीन बेर खाती थी, ते तीन बेर खाती हैं
(3) आए महन्त बसन्त
(4) हरिपद कोमल कमल से
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

38. **सूची-I** का मिलान **सूची-II** से कीजिए:

सूची-I	**सूची-II**
A. कोटि कुलिस-समवचन तुम्हारा	I. उत्प्रेक्षा
B. मैया मैं तो चन्द्रखिलौना लैहों	II. रुपक
C. मनहुँ नीलमनि सैल पर, आतप पर्‌यौ प्रभात	III. उपमा
D. कनक-कनक ते सौ गुनी, मादकता अभिकाय	IV. यमक

नीचे दिए गये विकल्पों में **सही** उत्तर को उल्लेख करे:
(1) A - I, B - III, C - II, D - IV
(2) A - III, B - II, C - I, D - IV
(3) A - II, B - IV, C - I, D - III
(4) A - III, B - IV, C - I, D - II
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

39. निम्नलिखित वाक्यांश के लिए उपयुक्त विकल्प चुनिए।
जिसका कोई शत्रु नहीं जन्मा हो
(1) शत्रुहीन (2) सर्वप्रिय
(3) अजातशत्रु (4) उदासीन
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

40. निम्नलिखित वाक्यांश के लिए उपयुक्त विकल्प चुनिए।
जो अच्छे कुल में उत्पन्न हुओ हो।
(1) क्षत्रिय (2) कुलीन
(3) राजसी (4) उच्च वर्ग
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

41. **सूची-I** का मिलान **सूची-II** से कीजिए:

सूची-I	**सूची-II**
A. जो किए गए उपकार को नहीं मानता	I. जितेंद्रिय

DISHA Publication Inc

B. जानने को इच्छा रखने वाला II. जिज्ञासु
C. इंद्रियों को जीतने वाला III. कृतहन
D. जो बहुत बोलता है IV. वाचाल

नीचे दिए गये विकल्पों में **सही** उत्तर को उल्लेख करे:
(1) A - I, B - II, C - III, D - IV
(2) A - III, B - II, C - I, D - IV
(3) A - III, B - I, C - II, D - IV
(4) A - IV, B - III, C - II, D - I
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

42. **सूची-I** का मिलान **सूची-II** से कीजिए:

सूची-I	**सूची-II**
A. जो कहा गया है	I. अलौकिक
B. जो लोक में संभव न हो	II. निरंकुश
C. जिस पर कोई अंकुश न हो	III. अवैध
D. वह कार्य जो विधि के विरुद्ध हो	IV. कथित

नीचे दिए गये विकल्पों में **सही** उत्तर को उल्लेख करे:
(1) A - I, B - II, C - III, D - IV
(2) A - II, B - III, C - IV, D - I
(3) A - IV, B - I, C - II, D - III
(4) A - III, B - II, C - IV, D - I
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

43. 'निस्' उपसर्ग से रहित शब्द है:
(1) निश्चल (2) निस्सार
(3) निष्काम (4) निवारण
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

44. 'दुष' - उपसर्ग से कौन-सा शब्द नहीं बना है?
(1) दुष्कर (2) दुष्प्राप्य
(3) दुष्ट (4) दुष्कर्म
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

45. 'चिर' उपसर्ग से बने शब्द है:
A. चिराग B. चिरायु
C. चिरपरिचित D. चिरकाल
E. चिंतित

नीचे दिए गये विकल्पों में से **सही** उत्तर का चयन कीजिए:
(1) A, B, C (2) B, C, E
(3) E, A, C (4) B, C, D
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

46. **सूची-I** का मिलान **सूची-II** से कीजिए:

सूची-I	**सूची-II**
A. दुर्	I. स्वागत
B. ना	II. नासमझ
C. सु	III. दुर्लभ
D. सर	IV. सरताज

नीचे दिए गये विकल्पों में **सही** उत्तर को उल्लेख करे:
(1) A - II, B - I, C - III, D - IV
(2) A - III, B - II, C - I, D - IV
(3) A - IV, B - II, C - I, D - III
(4) A - II, B - III, C - I, D - IV
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

47. 'कुटज' निबंध के रचयिता हैं।
(1) धर्मवीर भारती (2) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(3) जयशंकर प्रसाद (4) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

48. निम्नलिखित में जैनेंद्र कुमार द्वारा रचित नहीं है:
(1) परख (2) कल्पलता
(3) कल्याणी (4) नीलम देश की राजकन्या
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

49. निम्नलिखित में हरिवंशराय बच्चन की रचनाएँ हैं:
A. बसेरे से दूर B. क्या भूलूँ क्या याद करूँ
C. सीढ़ियों पर धूप में D. मधुशाला
E. सतह से उठता आदमी

नीचे दिए गये विकल्पों में से **सही** उत्तर का चयन कीजिए:
(1) C, D, E (2) B, C, D
(3) A, C, E (4) A, B, D
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

50. **सूची-I** का मिलान **सूची-II** से कीजिए:

सूची-I	**सूची-II**
A. मेरा परिवार	I. फणीश्वर नाथ रेणु
B. अनाम दास का पोथा	II. धर्मवीर भारती
C. परती परिकथा	III. महादेवी वर्मा
D. ठेले पर हिमालय	IV. हजारी प्रसाद द्विवेदी

नीचे दिए गये विकल्पों में **सही** उत्तर को उल्लेख करे:
(1) A - I, B - II, C - IV, D - III
(2) A - II, B - I, C - III, D - IV
(3) A - III, B - IV, C - I, D - II
(4) A - IV, B - III, C - II, D - I
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

DISHA TM Publication Inc